IJARSCT



International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

nology | 150 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 | 100

Impact Factor: 7.67

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

Volume 5, Issue 5, November 2025

Preparation of Cough Syrup by Using Herbal Extract

Sachin Yashvant Jadhav, Kajol Balu Sonavane Balu, Sunil Baban Rathod

Sahakar Maharshi Kisanrao Varal Patil College of Pharmacy, Nighoj

Abstract: The increasing interest in natural and plant-based remedies has led to the development of herbal formulations with fewer side effects and enhanced therapeutic benefits. This study focuses on the formulation and preparation of a herbal cough syrup using traditionally known medicinal herbs such as Ocimum sanctum (Tulsi), Glycyrrhiza glabra (Mulethi), Zingiber officinale (Ginger), Adhatoda vasica (Vasaka), Syzygium aromaticum (Clove), and Piper nigrum (Black Pepper), along with honey as a natural sweetener and soothing agent. The herbal decoction was prepared through boiling, filtration, and subsequent mixing with sweeteners and preservatives to produce a palatable and effective syrup. The final product was evaluated for various physicochemical parameters like pH, viscosity, organoleptic properties, and microbial stability. The results indicated that the herbal cough syrup possesses desirable properties for treating common respiratory ailments such as cough, sore throat, and mild bronchial irritation. The study demonstrates the potential of herbal ingredients in formulating an effective, safe, and affordable cough remedy

Keywords: Herbal cough syrup, Ocimum sanctum, Glycyrrhiza glabra, natural remedy, respiratory health, traditional medicine, expectorant, mucolytic, syrup formulation, phytotherapy, throat relief





